Production of Kharif Crops

2834. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is the target of kharif production in the country;

(b) whether this year country will get more Kharif production than last year;

(c) if so, the reasons therefor; and

(d) what is the State-wise production target?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN): (a) The target of production of Kharif foodgrains and Kharif Oilseeds during 1992-93 has been fixed at 103.25 million tonnes and 10.0 million tonnes respectively.

(b) Yes, Sir.

(c) The rainfall and weather conditions during the current year have generally been favourable in most of the States except Bihar and parts of Andhra Pradesh as compared to last year.

(d) A Statement giving State-wise production targets of Kharif foodgrains and Kharif oilseeds for 1992-93 is annexed.

Statement

State-wise production targets of Kharif Food-grains and Kharif Oil-seeds for 1992-93

(Production in lakh tonnes)

State	Kharif foodgrains	Kharif Oil-seeds
Andhra Pradesh	94.66	17.00
Assam	29.93	—
Bihar	80.55	0.20
Haryana	26.40	0.20
Gujarat	37.80	18.00
Himachal Pradesh	7.28	—
Jammu & Kashmir	12.18	—
Karnataka	56.34	8.80
Kerala	9.39	—
Madhya Pradesh	103.80	23.25
Maharashtra	94.78	8.40
Orissa	67.38	5.80
Punjab	69.46	0.10
Rajasthan	38.12	5.75
Tamil Nadu	64.49	9.85
Uttar Pradesh	140.14	1.75
West Bengal	81.97	0.90
Others	17.83	—
All India	1032.50	100.00

गेहूं, चावल और तिलहन का उत्पादन

2835. **श्री राम नरेश यादव:** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विगत वर्षों में देश के विभिन्न भागों में खाद्यान्नों, अर्थात, गेहूं, चावल, तिलहन आदि की पैदावार में भारी कमी हुई है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान उक्त खाद्यान्नों की पैदावार का ब्यौरा क्या है; और

(ग) पैदावार में, राज्यवार कितने प्रतिशत की कमी हुई है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन): (क) देश के विभिन राज्यों/क्षेत्रों में कम वर्षा और सूखे के लम्बे दौर के कारण कुछ राज्यों में खाद्यान्नों, अर्थात् गेहूं और चावल, तथा तिलहनों के उत्पादन में 1991-92 के दौरान कुछ गिरावट दिखाई दी है।

(ख) और (ग) 1988-89 से 1991-92 के दौरान पिछले वर्ष में हुए परिवर्तन की प्रतिशतता के साथ-साथ गेंहू, चावल और तिलहनों के राज्यवार उत्पादन को दशाने वाला विवरण अनुपत्र में दिया गया है। (देखिए परिशिष्ट 165, अनुपत्र संख्या 47)

किसानों को उर्वरकों की आपूर्ति

2836. **श्री राम नरेश यादव:** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उर्वरकों की कालाबाजारी और जमाखोरी होने से किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) केन्द्रीय सरकार ने किसानों को उचित मूल्य पर उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये क्या कदम उठाये हैं?